K. Nand M.A. I Sem (2)

2

(ii) शोध मनोविज्ञानी डैगिङ्ग द्वारा प्रतिच को परिभाषित करते हुए कहा गया है कि " प्रतिचयन या प्रतिदर्शनमात्र सम्पूर्ण के बदले में अंशों को समाहित करना नहीं है। प्रतिचयन एक कला और विज्ञान है जिसकी सहायता से उपयोगी सांख्यकीय सूचनाओं की विश्वसनीयता का संभाव्यता सिद्धान्त के द्वारा नियंत्रण तथा मापन किया जा सकता है।"

(iii) प्रसिद्ध शोध-रीति- मनोवैज्ञानिक करलिंगर (1964) द्वारा प्रतिचयन को संक्षिप्त रूप में और सटीक रूप से परिभाषित किया गया है। इस परिभाषा को मनोविज्ञानियों द्वारा सर्वमान्य किया गया है। इनके अनुसार " किसी जनसंख्या या समष्टि से उसके प्रतिनिधि स्वरूप एक अंश का चुन लेने को प्रतिचयन (Sampling) कहते हैं।

उपरोक्त परिभाषाओं के अध्ययन से प्रतिचयन (Sampling) का अर्थ निम्नवत स्पष्ट होता है :

(i) प्रतिचयन वैज्ञानिक पद्धति द्वारा किसी जनसंख्या या समष्टि (Population) के गुण या विशेषताओं से उसके एक छोटे भाग का प्रतिनिधि अंश का चुनाव है।

(ii) चयनित अंश या भाग में सम्पूर्ण जनसंख्या

Scanned with CamScanner